TabelaWala
कामयाबी का नया तरीका

FOCA Model

- फ्रेंचाइज़ी ओन्ड, कंपनी असिस्टेड

अपना डेयरी व्यवसाय शुरू करें

कंपनी द्वारा पूर्ण विशेषज्ञ सहयोग

सुरक्षित निवेश और बेहतर भविष्य

डेयरी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्टार्टअप अवॉर्ड से सम्मानित।

नवाचारों को प्रोत्साहन हमारा संकल्प, युवा ही देश को देते हैं नई दिशा : सीएम

156 स्टार्ट-अप को 2.5 करोड़ प्रोत्साहन राशि और 21 स्टार्ट-अप को 8.17 करोड़ ऋण राशि की अंतरित

भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीन काल से ही हम व्यापार-व्यवसाय की भरपूर समझ रखते हैं, क्योंकि पुरूषार्थ, उद्यमिता, नवाचार और व्यापार हम भारतीयों के संस्कारों में ही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नए-नए अवसरों का प्रदेश है। युवा ही देश को नई सोच और नई दिशा की ओर ले जाते हैं। इनके नवाचार ही विकास का आधार बनते हैं। इसलिए नवाचारों को प्रोत्साहन देना, हमने हमारा संकल्प निहित किया है। भारत में 6 करोड़ से अधिक एमएसएमई है, जो देश की जीडीपी में 30 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं। कुल निर्यात में एमएसएमई की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत तक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में स्टार्ट-अप का योगदान अतुलनीय है।

भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इको-सिस्टम बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हमारा देश, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सबके सहयोग से भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित 2 दिवसीय मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट-2026 को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट के दौरान 156 स्टार्ट-अप को 2.5 करोड़ रूपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 21 स्टार्ट-अप को 8.17 करोड़ रूपए से अधिक की ऋण राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न सफल और विकासशील स्टार्ट-अप के फाउंडर्स और इंक्यूबेटर्स को सम्मानित किया। समिट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के साथ फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन के साथ पंचवर्षीय एमओयू सहित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कार्वी स्टार्ट-अप लैब्स और स्टार्ट-अप मिडिल ईस्ट के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी हस्ताक्षरित किये गये।

ग्राम माचलपुर के स्टार्टअप तबेलावाला को मुख्यमंत्री यादव के कर कमलों से मिला सम्मान

बड़वाह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिजनेस के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्टार्ट अप्स की योजनाएं चलाकर अब न सिर्फ शहर अपितु ग्रामीण क्षेत्र में भी सीधे सीधे जुड़ कर सम्मान प्राप्त कर रहे है। बड़वाह नगर से मात्र 12 किमी दूरी पर स्थित ग्राम माचलपुर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र व पशुपालन को एक बड़े रोजगार के रूप में जोड़ने के लिए एक विशेष आधार केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश स्टार्ट अप समिट -2026 में माचलपुर में संचालित व्हाइट गोल्ड लाइफ स्टॉक (तबेलावाला फॉर्म) को बेस्ट एग्रीकल्चर स्टार्ट अप के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश स्टार्टअप राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान कंपनी के संस्थापक सुगीत तिवारी एवं सह संस्थापक आशी बिरथरे को मुख्यमंत्री श्री यादव ने अपने कर कमलों से प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि इस समिट में देश भर से पधारे उद्यमियों और निवेशकों से संवाद किया गया। एवं 170 से अधिक स्टार्टअप को 2.5 करोड़ से अधिक के हितलाभ मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 21 स्टार्टअप्स को 8.17 करोड़ अधिक का ऋण वितरित किया गया।

दैनिक प्रदेश स्वराज
www.pradeshsvaraaj.com
13 Jan 2026 - Page 1

माचालपुर के तबेलावाला को मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिला सम्मान

अंकुश कर्मा@बड़वाह
प्रदेश स्वराज 8717900253

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिजनेस के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्टार्ट अप्स की योजनाएं चलाकर अब न सिर्फ शहर अपितु ग्रामीण क्षेत्र में भी सीधे सीधे जुड़ कर सम्मान प्राप्त कर रहे है। बड़वाह नगर से मात्र 12 किमी दूरी पर स्थित ग्राम माचलपुर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र व पशुपालन को एक बड़े रोजगार के रूप में जोड़ने के लिए एक विशेष आधार केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश स्टार्ट अप समिट -2026 में माचलपुर में संचालित व्हाइट गोल्ड लाइफ स्टॉक (तबेलावाला फॉर्म) को बेस्ट एग्रीकल्चर स्टार्ट अप के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश स्टार्टअप राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान कंपनी के संस्थापक सुगीत तिवारी एवं सह संस्थापक आशी बिरथरे को मुख्यमंत्री श्री यादव ने अपने कर कमलों से प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि इस समिट में देश भर से पधारे उद्यमियों और निवेशकों से संवाद किया गया। एवं 170 से अधिक स्टार्टअप को 2.5 करोड़ से अधिक के हितलाभ मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 21 स्टार्टअप्स को 8.17 करोड़ अधिक का ऋण वितरित किया गया।

पशुपालन उद्योग के बारे में

भारत : विश्व का सबसे बड़ा डेयरी उद्योग

- भारत वैश्विक दूध उत्पादन का लगभग 23% योगदान देता है।
- घरेलू डेयरी बाजार का आकार लगभग ₹10+ लाख करोड़ प्रति वर्ष है।
- विकास दर : 6–8% CAGR (डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण)।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डेयरी उत्पादों की मांग समान रूप से बढ़ रही है।

डेयरी गेट इकोनॉमिक्स (Pre-Dairy Gate Economics)

श्रेणी	वार्षिक मूल्य (अनुमानित)
कच्चे दूध की आपूर्ति	₹7+ लाख करोड़
वैल्यू एडेड डेयरी उत्पाद	₹2+ लाख करोड़
फीड और टेक्नोलॉजी	₹50,000+ करोड़

हमारे बारे में

TabelaWala
कामयाबी का नया तरीका

TabelaWala – कामयाबी का नया तरीका

TabelaWala एक वन-स्टॉप डेयरी सॉल्यूशन प्लेटफॉर्म है, जिसे किसानों, रिटायर्ड लोगों, प्रोफेशनल्स और निवेशकों को सफल व लाभदायक डेयरी व्यवसाय स्थापित करने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

हम क्या प्रदान करते हैं

- उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी पशु
- ट्रेनिंग एवं निरंतर मार्गदर्शन
- फार्म संचालन की संपूर्ण व्यवस्था
- AI आधारित डेयरी मैनेजमेंट टूल्स
- मार्केटिंग एवं बिक्री में सहायता

हमारा मिशन

भारत भर में डेयरी फार्मिंग को सुलभ, लाभदायक और सामाजिक रूप से प्रभावशाली बनाना।

4+ TW फार्म

40+ फ्रेंचाइज़

15+ FICO मॉडल

7-IN-1 TABELAWALA सेवाएं

TabelaWala द्वारा एकीकृत डेयरी सपोर्ट प्रदान किया जाता है :

1. प्रीमियम डेयरी पशुओं की उपलब्धता
2. पशु स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सक सहायता
3. पशु शेड सेटअप और रेंटल मैनेजमेंट
4. पशु आहार एवं पोषण योजना
5. दूध संग्रहण एवं मार्केटिंग व्यवस्था
6. ट्रेनिंग एवं कौशल विकास
7. फार्म के लिए डिजिटल मैनेजमेंट टूल्स

FOCA क्या है?

FOCA मॉडल एक ऐसा भरोसेमंद और स्मार्ट बिज़नेस मॉडल है, जहाँ फ्रेंचाइज़ का मालिक आप खुद होते हैं और TabelaWala आपके बिज़नेस को सफल बनाने में हर कदम पर साथ देता है।

वहीं, TabelaWala कंपनी अपने अनुभव और एक्सपर्ट टीम के साथ पूरे ऑपरेशन को मैनेज करती है और आपको सही दिशा में गाइड करती है।

TabelaWala क्या सुविधाएँ प्रदान करता है:

- **फार्म प्लानिंग और सेटअप: शुरुआत से सही तरीके से डेयरी फार्म तैयार करने में मदद**
- **पशुओं का चयन और खरीद: बेहतर उत्पादन के लिए सही पशुओं का चुनाव**
- **ऑपरेशन्स और सेल्स रणनीति: रोज़मर्रा के काम और बिक्री बढ़ाने की योजना**
- **प्रोफेशनल ट्रेनिंग और निरंतर सपोर्ट: बिज़नेस को सफल बनाने के लिए लगातार मार्गदर्शन**

BFM मॉडल

TabelaWala फ्रेंचाइज़ का मुख्य आधार

B — **Breed (नस्ल चयन)**
जलवायु, भूमि क्षमता और लाभप्रदता के लक्ष्यों के आधार पर उच्च उत्पादन और रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाली भैंस एवं गाय की नस्लों का सावधानीपूर्वक चयन।

F — **Feed (चारा प्रबंधन)**
वैज्ञानिक तरीके से साइलिज, हरा चारा और पशु आहार की योजना। पशु की उम्र और उत्पादन चरण के अनुसार संतुलित आहार प्रबंधन, जिससे निरंतर पोषण, किफायती लागत पर गुणवत्तापूर्ण चारा और अधिक दूध उत्पादन सुनिश्चित हो।

M — **Management (प्रबंधन उत्कृष्टता)**
डेटा-आधारित फार्म प्रबंधन जिसमें स्वास्थ्य ट्रैकिंग, उत्पादकता मॉनिटरिंग, लागत नियंत्रण, श्रम प्रबंधन और प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

TabelaWala
कामयाबी का नया तरीका

फ्रेंचाइज़ इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सपोर्ट

01 **(भूमि आवश्यकता)**
एक सुव्यवस्थित डेयरी फार्म के लिए न्यूनतम 0.5 – 1 एकड़ भूमि आवश्यक

02 **(शेड इंफ्रास्ट्रक्चर)**
कुशल संचालन के लिए 7–8 वैज्ञानिक रूप से डिज़ाइन किए गए शेड ब्लूप्रिंट्स

03 **(श्रमिक सहायता)**
प्रशिक्षित श्रमिकों की व्यवस्था में सहायता

04 **(पशु सहायता)**
उच्च उत्पादन वाले पशुओं के चयन और खरीद में पूर्ण मार्गदर्शन

05 **(दूध टाई-अप्स)**
विश्वसनीय साझेदारों के माध्यम से सुनिश्चित दूध संग्रह और वितरण

06 **(चारा एवं आहार)**
गुणवत्तापूर्ण चारा और आहार की निरंतर आपूर्ति हेतु सहयोग

07 **(आसान ऋण सुविधा)**
संरचित और सुलभ ऋण विकल्पों की व्यवस्था में सहायता

निवेश पर अपेक्षित रिटर्न (ROI)

TabelaWala का प्रोफेशनली मैनेज किया गया डेयरी मॉडल समय के साथ स्थिर और बढ़ते हुए रिटर्न देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पहला वर्ष

15% – 20% ROI जब ऑपरेशन्स स्थिर हो जाते हैं

दूसरा वर्ष

20% – 30% ROI बेहतर दक्षता के साथ

तीसरा वर्ष

30% – 40% ROI जैसे-जैसे स्केल और ऑप्टिमाइजेशन बढ़ता है

चौथा वर्ष

40% + 50%+ ROI परिपक्व ऑपरेशन्स और निरंतर उत्पादन के साथ

मॉडल शेड प्लानिंग & विजन

शेड मॉडल्स

01. हेड-टू-हेड मॉडल

- भैंसें एक-दूसरे के सामने रहती हैं
- बीच में फीडिंग (खिलाने) का रास्ता होता है
- चारा (फॉडर) मशीन या मैन्युअल तरीके से दिया जा सकता है
- कम जगह में उपयुक्त और निगरानी के लिए आसान

02. टेल-टू-टेल मॉडल

- भैंसें एक-दूसरे की पीठ की ओर खड़ी रहती हैं
- बीच में गोबर और वेस्ट के लिए रास्ता होता है
- फीडिंग के रास्ते बाहरी किनारों पर होते हैं
- बेहतर साफ-सफाई और आसान वेस्ट मैनेजमेंट

भूमि एवं स्थान का मूल्यांकन

- सबसे पहले जमीन का आकार, दिशा, वेंटिलेशन और जलवायु के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है
- उसी के अनुसार सबसे उपयुक्त शेड मॉडल का चयन किया जाता है

आसान लोन प्रक्रिया

बैंक टाई-अप

• डेयरी फाइनेंसिंग के लिए SBI, BOI और MPGB के साथ रणनीतिक साझेदारी

एंड-टू-एंड लोन सहायता

• TabelaWala टीम द्वारा पूरी सहायता

• दस्तावेज़ एकत्र करने से लेकर लोन स्वीकृति तक सहयोग

सरल एवं सुविधाजनक प्रक्रिया

• बैंक के साथ समन्वय के साथ व्यवस्थित प्रक्रिया

• कम मेहनत और तेज़ अप्रूवल

संस्थापक एवं विज़न

श्री सुगीत तिवारी और सुश्री आशी बिर्थरे ने 13 अप्रैल 2022 में TabelaWala की स्थापना की, जिसका उद्देश्य डेयरी किसानों के लिए एक एंड-टू-एंड इकोसिस्टम बनाना है। उनका लक्ष्य एक ऐसा डेयरी व्यवसाय मॉडल तैयार करना है जो टिकाऊ, लाभदायक और ग्रामीण उद्यमियों के लिए दीर्घकालिक हो। इस कज़िन जोड़ी ने किसानों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है—सिर्फ पशुधन की बिक्री को सक्षम बनाकर ही नहीं, बल्कि मजबूत आफ्टर-सेल्स सपोर्ट, मार्गदर्शन और ऐसे अवसर प्रदान करके भी, जो किसानों को सफल डेयरी उद्यमी बनने में मदद करते हैं।

THANK YOU

वृन्दावन डेयरी

ADIKIRAN
KRISHNAMRUT Dairy
A Franchise Outlet by
TabelaWala

05/08/2025 09:45